भारत सरकार

कोयला मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 1577

जिसका उत्तर 08 जुलाई, 2019 को दिया जाना है

कोयले के उत्पादन में कमी

1577. श्री संजय सिंहः

क्या **कोयला मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि वित्तीय वर्ष 2018–19 में 606.89 एमटी कोयले का उत्पादन दर्ज किया गया है जो कि 610 एमटी के अपने योजनाबद्ध उत्पादन लक्ष्य से लगभग 3 एमटी कम है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या यह भी सच है कि वित्तीय वर्ष 2019–20 की प्रथम तिमाही में 92 एमटी उत्पादन हुआ था और इसके साथ–साथ अप्रैल और मई के महीनों में भी नकारात्मक उत्पादन हुआ था; और

(घ) यदि हां, तो वित्तीय वर्ष 2019–20 में 660 एमटी के अपने परिकल्पित उत्पादन लक्ष्य को प्राप्त करने से संबंधित मंत्रालय की कार्य योजना क्या है?

<u>उत्तर</u>

<u>संसदीय कार्य, कोयला एवं खान मंत्री</u>

(श्री प्रल्हाद जोशी)

(क): कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने वित्त वर्ष 2018-19 में 610 मि.ट. लक्ष्य की तुलना में 606.89 मि.ट. कोयले का उत्पादन (अनंतिम) किया जो 610 मि.ट. के उत्पादन लक्ष्य की तुलना में लगभग 3 मि.ट. कम है।

(ख): सीआईएल के उत्पादन में कमी के लिए प्रमुख कारण भूमि अधिग्रहण, भूमि का वास्तविक कब्जा, पुनर्वास और पुनर्स्थापन (आरएंडआर) मुद्दे, अतिक्रमणकर्ता, वन मंजूरी, पर्यावरणीय मंजूरी, निकासी एवं संभारतंत्र बाधाएं, कानून एवं व्यवस्था संबंधी समस्याएं आदि हैं।

(ग): सीआईएल ने अप्रैल-मई 2019 के दौरान पिछले वर्ष की इसी अवधि में 91.98 मि.ट. की तुलना में 0.1% की नकारात्मक वृद्धि दर्शाते हुए 91.88 मि.ट. कोयले का उत्पादन किया।

(घ): कोयला मंत्रालय ने वर्ष 2019-20 के लिए सीआईएल द्वारा 660 मि.ट. कोयले का उत्पादन लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सरकार का ध्यान भूमि अधिग्रहण करने और कानून एवं व्यवस्था संबंधी मुद्दों में सहायता हेतु राज्य सरकार से सम्पर्क करना और कोयले की ढुलाई के लिए रेलवे के साथ समन्वित प्रयास करने पर है।

इसके अतिरिक्त, घरेलू कोयला उत्पादन में वृद्धि करने हेतु सीआईएल ने निम्नलिखित कदम उठाए हैं:-

- सीआईएल और इसकी सहायक कंपनियां उच्च यांत्रिकीकरण के साथ अधिक क्षमता वाली मेगा खानें (क्षमता> 10 मि.ट./वर्ष) चालू कर रही हैं।
- सीआईएल अपनी कार्य दक्षता में सुधार करने हेतु अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी पहले ही शुरु कर चुकी है। इस प्रयोजनार्थ 240 टी रियर डंपर के साथ 42 घनमीटर शॉवेल जैसी उच्च क्षमता वाली हैवी अर्थ मूविंग मशीनरी (एचईएमएम) लाई गई है।
- प्रचालनात्मक दक्षता में सुधार करने और पर्यावरणीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सीआईएल द्वारा ओपनकास्ट खानों में बड़े स्तर पर सतही खनिकों को लगाया गया है। वर्ष 18-19 के दौरान सीआईएल में ओपनकास्ट कोयला उत्पादन का लगभग 50% कोयला उत्पादन सतही खनिकों के माध्यम से था और बाद के वर्षों में इसमें और वृद्धि होने की संभावना है।

****